कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 2259405

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय Hindi

परीक्षा का दिन Monday

दिनांक 24-03-25

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	16	19	
2	6	20	
3	6	21	
4	6	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	3	28	
11	3	29	
12	3	30	
13	3	31	
14	3	योग	80
15	6	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	6	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	अस्सी
18	5		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 27071

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		(खण्ड - अ)
	प्र.1.	
1	Ans (i)	(अ) खोजी पत्रकारिता
1	(ii)	(स) मुद्रित या प्रिंट माध्यम
1	(iii)	(ब) लिपी
1	(iv)	(अ) बोली
1	(v)	(द) निशा-निमंत्रण
1	(vi)	(ब) तुलसीदास
1	(vii)	(अ) कागज का पन्ना
1	(viii)	(स) लछमिन (लक्ष्मी)
1	(ix)	(ब) चूरन
1	(x)	(अ) काले मेघा पानी दे
1	(xi)	(अ) भीमराव आंबेडकर
1	(xii)	(अ) ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव
1	(xiii)	(स) यशोधर पंत

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(xiv)	(अ) वसंत पाटिल
1	(xv)	(अ) मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा
16 1	(xvi)	(द) आनन्द यादव
	प्र.2 उत्तर	
1	(i)	अभिधा शब्द-शक्ति
1	(ii)	लक्षणा शब्द-शक्ति
1	(iii)	श्लेष अलंकार
1	(iv)	वक्रोक्ति अलंकार
1	(v)	वार्षिक
6 1	(vi)	Camp
	प्र.3 उत्तर	
1	(i)	चरित्र-बल / चरित्र का महत्त्व
1	(ii)	मनुष्य का सर्वोत्तम गुण चरित्र-बल है।

BSUR-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(iii)	मनुष्य अपने चरित्र की शक्ति से अनेकानेक आपत्तियों, विपत्तियों और कठिनाइयों का सामना कर सकता है।
1	(iv)	सम्मानपूर्वक और सफल जीवन अतीत करने के लिए उत्तम चरित्र का होना नितांत आवश्यक है।
1	(v)	जीवन को सुख-शांति तथा आनंद से भरपूर बनाने के लिए मनुष्य को निरंतर सच्चरित्र बनने का प्रयास करना चाहिए।
6	(vi)	सच्चरित्रता के अभाव मे केवल बौद्धिक ज्ञान सुगंधित शव के समान है।
	प्र.4 उत्तर	
1	(i)	मन का एकनिष्ठप्रेम/ मन की एकाग्रता / मन की तृष्णा।
1	(ii)	जहाज का पंछी उड़कर जहाज पर जाता है।
1	(iii)	गंगा के जल को छोड़कर कुंआ खुदवाने वाले व्यक्ति को कवि ने दुर्भाग्य हीन व्यक्ति कहा है।
1	(iv)	करील के फल जिसने मधुर अंबुज-रस का चखा है उसे करील के फल अच्छे नहीं लगते।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(v) "मेरा मन अनत कहाँ सुख पावै" पंक्ति का भावार्थ- कि मेरा मन कहाँ से सुख पायेगा मैं तो बस यहाँ से वहाँ घुमता हूँ। मेरे मन को वही अच्छा लगता है जिसमें मेरी रुचि है।

(vi) पियासो का अर्थ है :- प्यासा।

1
1
6

(खण्ड - ब)

प्र.5
उत्तर समाचार - लिखते समय छः ककारों को ध्यान में रखा जाता है।
कौन, कहाँ, कब, कैसे, क्या, क्यों।

2

प्र.6
उत्तर "अच्छा तो यह ठहरा ड्रेसिंग गाउन।" कहते हुए उनकी आँखों में नमी चमक गई। इसमें कथन में लेखक ने भूषण ने अपने पिता य.द. पंत को ऊनी गाउन को देखकर खुश हुये पर जब भूषण ने यह कहा की पापा आप यह गाउन पहनकर दूध ले आना तब यशोधर बाबू की आँखों में नमी चम गई छा गई थी।

2

प्र.7
उत्तर पहले दिन ही कक्षा में बैठने पर लेखक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

का मन खट्टा इसलिए हुआ क्योंकि ~~ल~~ लेखक के कक्षा में जाते ही कोई भी बच्चा उसके साथ का नहीं था सब उससे छोटे थे और उनमें से दो लड़को को ही वो जानता था जो भी पढाई में कमजोर थे और शरारती बच्चा धनराम ने उसके साथ शरारत की उसके लिए वह परेशान हो गया था।

2

प्र.8.

उत्तर 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में रघुवीर सहाय ने इलैक्ट्रानीय मिडीया के ~~सामाजिक~~ द्वारा निहित क्रुरता को सामाजिक विडंबना को उभारने का प्रयास किया है। इलैक्ट्रान मिडिया अपने आप को सर्वस्व शक्तिवान समझते हैं और अपाहिज व्यक्ति के दुःख के बारे में न सोचकर अपने दुरदर्शन पर समर्थक के बारे में सोचते हैं। कवि ने दुरदर्शनकर्मियों ~~के~~ पर व्यंग्यात्मक वर्णन किया है।

2

प्र.9.

उत्तर लुट्टन के सिर पर कसरत की धुन नौ वर्ष की उमर में ही सवार हो गयी थी। जब लेखक के माता-पिता का निधन हो चुका था। और वह अपनी सास के पास रहता था और गाय चराता था। लोग उसकी सास को

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परेशान करते थे इसलिए वह उन लोगों से बदला लेना चाहता था इसलिए उसके सिर पर कसरत और कुश्ती की धुन सवार हुई थी।

2

(खण्ड - स)

प्र.12
उत्तर बाजार का जादू व्यक्तियों पर विशेषकर उसका सुजावटी समान के आकर्षण से चलता है। इसमें लेखक ने अपने मित्र का उदाहरण दिया है जिसमें वह अपने पत्नी के साथ बजार जाता है और अनेक अनावश्यक वस्तुऐं खरीद लाता है। और उसका सारा दोष अपने पत्नी को दे देता है माना की स्त्रीयाँ पुरूषों की तुलना मे ज्यादा समान करती है पर इसका मतलब यह नहीं की पुरूष महिलाओं पर दोष लगा दे। यह तो पैसा की पावर की वजह से इतना सामान आया। और एक मित्र बाजार गया पर कुछ नही लाया यह देखकर लेखक ने उससे पुछा तो उसने कहा कि वहा सब ही चीजे ऐसे लगती है जैसे सारी ही आवश्यक हो

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इसलिए मैं कुछ नहीलाया। इसलिए लेखक ने कहा कि आप जब भी बाजार जाये तो निश्चत करके जाये की आप को क्या चाहिये। तो बाजार का जादू नही चल पायेगा।

3

प्र 11

उत्तर यह एक यात्रा है जो चिड़िया, फूल से लेकर बच्चे तक की है। - पंक्ति के आधार पर कविता के बहाने कविता की मूल संवेदना है कि कविता के बहाने कविता का यांत्रिकता के दबाव पर वास्तविकता रहना रहेगी। कविता की उड़ान फूल क्या जाने। फूल तो खिलते है तो उनकी खुशबु कुछ दूर तक ही आती है। लेकिन कविता की खुशबु सर्वस्व रहती है। इसकारस अनन्तकाल तक रहता है। कविता की उड़ाने भले चिड़िया क्या जाने। चिड़िया एक घर से दूसरे घर, यहां से वहाँ की सीमा तक ही उड़ती है लेकिन कविता एक देश से दूसरे देश और विश्व भर तक कविता का उड़ान होती है। कविता का खेल बच्चो के खेल के समान होता है जिस तरह बच्चे अपने खेल के माध्यम से एक घर को दूसरे घर से जोड़ते है उनमे अपनत्व का भाव रखते है। वैसे ही कविता भी देश एक देश से दूसरे देश में अपनत्व की भाव पैदा करती है। जैसे निम्न कालो तक कविता का अस्तित्व रहता है

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.12.

उत्तर किशनदा के दिल्ली से चले जाने के बाद यशोधर बाबू ने किशनदा की हर परंपराओं को जीवित रखने की कोशिश की। यशोधर बाबू को किशनदा का मानस पुत्र कहा जाता है। यशोधर बाबू ने किशनदा के दिल्ली से चले जाने के बाद होली प्रजवाना, जन्यो पुन्यो के दिन कुमाऊनीयों की पूजा करना, रामलीला के लिए घर पर एक कमरा दे देना। और ऐसे अनेक कार्य किशदा के बताये अनुसार करते थे। किशदा का मानना था कि घर नहीं बनाना चाहिये। यशोधर बाबू किशन दा के आदर्शों पर चलते है। किशनदा की तरह बिड़ला मंदिर जाकर वहाँ पूजा-पाठ करना, घर मे संध्या के समय पूजा-पाठ करना आदि कार्य करते थे। किशदा किशनदा सुबह सैर करने जाते थे। तो कुर्ता पजामा, के ऊपर ऊनी गाउन, और पाँव मे देशी खड़ाऊ और हाथ मे छड़ी आदि। यह छवि किशनदा की यशोधर बाबू के मन मे बसी हुई थी।

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.13. उत्तर

कवि - परिचय

कवि - हरिवंश राय बच्चन
जन्म - सन् 1907 इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)
प्रमुख रचनाएँ :-
निशा निमंत्रण, मधुशाला।
मधुबाला, मधुकलश, मिलायामिनी, सतरंगिनी, आरती और अंगारे, आकुल और अंतर, नये-पुराने झरोखे, नीड़ का निर्माण फिर, श्रृंखला की टूटी-फूटी कड़ियां, मैकबेथ, हेमलेट, जनगीता, प्रवासी डायरी, सोपान दस द्वार तक, आदि।

उनका वाङ्मय 'बच्चन ग्रन्थावली' दस खण्डों में प्रकाशित है।

(3)

मृत्यु - 2003 मुंबई में।

विशेष तथ्य :- ① हरिवंश राय बच्चन को हालावादी कवि कहा जाता है।
② हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित निशानिमंत्रण से दिन जल्दी-जल्दी ढलता है लिया गई है।
③ हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित आत्मपरिचय में कवि ने संसार के साथ अपना द्वन्द्वात्मक संबंध बताया है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.14.
उत्तर सुचनाओं के प्रमुख चार माध्यम होते हैं
(1) मुद्रित या प्रिंट मिडीया
(2) रेडियो
(3) टेलीविजन
(4) इंटरनेट

मुद्रित या प्रिंट मिडीया :- इसमें पत्रकार को लिखते समय ध्यान रखता है कि आकरण मे अशुद्धि ना हो और भाषा सरल होनी चाहिये। यह आधुनिक मिडिया का सबसे पुराना माध्यम है। इसका आविष्कार गुटेनबर्ग मे हुआ था। भारत का पहला छापाखाना 1556 गोवा में था।

रेडियो :- यह एक श्रव्य माध्यम है। इसमें व्यक्तियों को निश्चत समय पर रेडियो पर सुनना पड़ता है। इसमें व्यक्ति को समाचार सुनने के बाद समझने का समय नही मिलता है। और नही ही लोगो से वार्तालाप करना पड़ता है।

टेलीविजन :- यह एक श्रव्य व दृश्य माध्यम है इसमें लोगो देख और सुन दोनो कर सकते है। तथा यह अनपढ़ व्यक्तियों के लिए भी उपयोगी है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इंटरनेट :- यह आधुनिक माध्यम में सबसे लोकप्रिय माध्यम है। इसमें लोग किसी भी समय पढ़ और सुन सकते हैं। इसमे व्यक्ति कभी भी किसी भी समय समाचार पढ़ सकता है और समझ नही आने पर किसी व्यक्ति से समझ भी सकता है। इसका लाभ भी है तो दुष्प्रभाव भी है।

विश्व ~~स्तर~~ पर इंटरनेट का तीसरा दौर चल रहा है। और भारत मे इंटरनेट का ~~दूसरा~~ प्रथम दौर 1983 मे शुरू हुआ था।

3

प्र.15
उत्तर

सन्दर्भ :- यह प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक "आरोह भाग II" के आलोक धन्वा द्वारा रचित पतंग ~~शीर्षक~~ कविता से लिया गया है। यह पतंग कविता "दुनिया रोज बनती है" एकमात्र काव्य-संग्रह से ली गई है।

प्रसंग :-
इसमे कवि बता रहे हैं कि बच्चे कपास ~~से~~ के समान कोमल और उनका मन चंचल होता है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

व्याख्या :- कवि कहता है कि बच्चे अपने साथ बचपन से ही कपास लाते है और पृथ्वी ही घुमती हुई उनके बैचेन पैरो के पास आती है। वह दौड़ते है तो ऐसा ही लगता है। जब बच्चे दौड़ते है तो छतो की भी नरम पड़ जाती है। और दिशाये ऐसा लगता है जैसे कोई संगीत बज रहा हो। जब बच्चे पतंग उड़ाते है तो जब पतंग मे पैंग भरते हुये जब वह छतो के खतरनाक किनारो तक पहुंच जाती है। और उन खतरनाक किनारो से बचता है तो उनका रोमांचित शरीर ऐसा लगता है कि पतंग की डोर के सहारे से वह गिरते नही है पतंग उन्हे अपने डोर के साथ बांधे रखती है।

6

विशेष :-

(1) इस पद्यांश मे कवि ने बच्चो के पतंग उड़ाते समय के क्रियाकलाप का वर्णन किया है।

(2) इस पद्यांश की भाषा सरल व सहज है।

(3) इस पद्यांश मे बिम्बो का प्रयोग किया गया है।

(4) इस पद्यांश मे अलंकारो का प्रयोग किया गया।

(5) इस पद्यांश मे अभिधा और लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग हुआ है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.16.
उत्तर

सन्दर्भ :- यह गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग II के शिरीष के फूल से जो कल्पलता जो ललित-निबंध शैली में हजारी प्रसाद द्विवेदी जी द्वारा रचित है।

प्रसंग :- इस गद्यांश मे लेखक ने शिरीष के फूल के विपरीत ~~परि~~ परिस्थितीयों मे भी वह हरा-भरा रहता है इसका वर्णन किया है।

व्याख्या :- लेखक कहता है कि शिरीष का फूल एक हरा-भरा वृक्ष है। वसंत के आगमन से खिलना शुरू करता है जो जेठ से आषाढ़ तक खिलता है। और मन हुआ तो भादों पक्ष तक भी खिलता रहता है। जब उमस से सबके प्राण जलते है और लू से हृदय सूखता है तब एकमात्र शिरीष का वृक्ष ही कालजयी अवधूत की भांति जीवन की अजेयता का मंत्र का प्रचार करता रहता है और विपरीत परिस्थितियों में भी हरा-भरा ~~कड़ा~~ खड़ा रहता है।

विशेष :-
(1) यह गद्यांश में शिरीष का वृक्ष लंबे समय तक फूलता-फलता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(2)	इस गद्यांश की भाषा सहज व सरल है।
	(3)	इस गद्यांश में मुहावरे, देशज, तत्सम, तद्भव शब्दों का प्रयोग किया गया है।
6	(4)	इसमें विवरणात्मक शैली का प्रयोग किया है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.17 Ans

राजस्थान-सरकार
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड उत्तरप्रदेश

क्रमांक → विज्ञप्ति/क/2017 दिनांक - 25-5-27

विज्ञप्ति

समस्त पुस्तक विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड उत्तरप्रदेश द्वारा पाठ्य पुस्तक जो विक्रेता पुस्तक बेचते है वह अपनी दुकान का पंजीकरण इलाहाबाद बोर्ड कार्यालय में करवाये। वरना विक्रेताओं को पुस्तक नही भेजी जायेगी। जिन्होने पाठ्य-पुस्तक विक्रेताओं ने पंजीकरण नही करवाया है वह बोर्ड कार्यालय में दिनाक - 25-8-27 तक करवा ले।

(4)

भवदीय
हस्ताक्षर
सचिव
(अ.ब.स.)
मा. शि. बो. उ.प्र.

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.18

निबंध

हमारे बुजुर्ग – हमारी धरोहर

① प्रस्तावना

② बुजुर्गों का महत्व

③ बुजुर्ग हमारी धरोहर

④ बुजुर्गों को आदर - सत्कार

⑤ उपसंहार

प्रस्तावना :- हमारे बुजुर्गों का हमारे जीवन में अतिसम्पूर्ण स्थान है। हमारे बुजुर्गों से हमारे स अच्छे संस्कार बताते हैं। और हमे अच्छा मार्ग-दर्शन बताते हैं और हमारे जीवन में हर जगह हमारे साथ खड़े रहते हैं और हर परिर कठिन परिस्थितियों में हमारा साथ देते है। और हमे हमारी गलतीयो पर हमे अच्छो से समझाते हैं और हर जगह हमारे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

साथ खड़े रहते है।

बुजुर्गों का महत्व :- हमारे दादी-दादा, नाना -नानी आदि हमें हमारी प्राचीन संस्कृति से जोड़े रखती है और हमें हमारी संस्कृति के बारे में जानकारी देती है। और हमे हमारे तीज -त्योहारों को कैसे बनाते है और उनका हमारे जीवन मे क्या महत्त्व है यह सब हमे बुजुर्गों द्वारा इन सबका ज्ञान देते है। और हमें अपनी संस्कृति को नही भुलना चाहिये यह सब हमें हमारे बुजुर्गों के द्वारा ही प्राप्त होते है। और हर जगह उनका एक अलग महत्त्व होता है। और यह सब हमे ऐतिहासिक जगहों और हमारे पूर्वजों द्वारा किये गये अच्छे कामों को बताते है और हमें जिससे हमें भी प्रेरणा मिले और हम भी वैसा ही कुछ करें। और हम हर क्षेत्र में हमे आगे बढ़ने के लिए बजुर्गों का मार्गदर्शन जरूरी है। बुजुर्गों से हमे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। और बुजुर्ग बचपन मे कहानी, कविता आदि सुनाते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बुजुर्ग हमारी धरोहर :- जिस प्रकार हमें ऐतिहासिक धरोहर, धरोहरों को सुरक्षित किया जाता है उसी प्रकार ही बुजुर्गों को भी माना सम्मान देना चाहिये। और बुजुर्ग हमें पुरानी परम्पराओं के जानकारी देते हैं। और अंग्रेजों ने हमारे भारत पर कैसे राज्य किया और हम भारतीयों ने उनका किस कैसे संघर्ष किया। जैसे - रानी लक्ष्मी बाई, मंगल पाण्डे महात्मा गांधी, नाना साहेब, आदि ने और ऐसे अनेक वीरों एवं वीरागनों ने हमारे देश का आजादी दिलाई में अपना सहयोग किया है। हमें बुजुर्गों से ऐतिहासिक धरोहर से जानकर बारे में जानकर उनको अपनी जीवन में उतारना चाहिये। ऐसे ही अनेक कहानियों से प्रेरणा लेखकर उन्हे अपने जीवन में उतारना चाहिये।

बुजुर्गों का आदर-सत्कार :- हमें बुजुर्गों का आदर और सम्मान करना चाहिये। और अपने से बड़ों का आदर और सम्मान और छोटा से स्नेह करना चाहिये। यह सब हमें बुजुर्ग सीखाते है। और उन्हे पर से हमे मार्गदर्

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

देते है। ऐसे अनेक मार्गदर्शन वो हमे देते हैं और हमारी जिन्दगी मे आगे बढ़ने का संदेश देते है और सब से मिलजुलकर रहना चाहिये की सीख देते है सबसे अपनत्व का भाव रखना चाहिये।

उपसंहार:- हमें हमारे जीवन मे बुजुर्गों के महत्व को समझना चाहिये और उनकी सीखाई हर बात को जीवन मे उतारकर उन्हे जीवन मे काम मे लेना चाहिये। बुजुर्ग हमें सीखाते है की सच्चाई का मार्ग अपनाना चाहिये। असत्य और अन्याय और किसी के साथ बुरा नही करना चाहिए।

(5) " बुजुर्ग है तो हमारे
हमें संस्कार है।
बुजुर्ग है तो हमारे
प्राचीन संस्कृति है। "

समाप्त

BSER-180/2025

20

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025